भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या5229
जिसका उत्तर 02अप्रैल, 2025 को दिया जाना है ।
12चैत्र, 1947 (शक)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली

5229. श्री जगदीश शट्टर:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय द्वारा अपनी स्वयं की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली स्थापित करने के किन्हीं कदमों पर विचार किया जा रहा है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए निवेश की लागत कितनी है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **7 मार्च 2024 को इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दे दी है**, जो देश के विकास लक्ष्यों के साथ जुड़े एक मजबूत और समावेशी एआई पारिस्थितिकी तंत्र को स्थापित करने की एक रणनीतिक पहल है। इस मिशन का वित्तीय परिव्यय 10,371.92 करोड़ रुपये का है।

इंडियाएआई मिशन के अंतर्गतएआई पारिस्थितिकी तंत्र के कई महत्वपूर्ण स्तंभ आते हैं, जिनमें इंडियाएआई कंप्यूट कैपेसिटी, इंडियाएआई इनोवेशन सेंटर, इंडियाएआई डेटासेट प्लेटफॉर्म, इंडियाएआई एप्लीकेशन डेवलपमेंट इनिशिएटिव, इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स, इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग और सेफ एंड ट्रस्टेड एआईजैसे स्तंभ शामिल हैं।

मिशन का उद्देश्य कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंच की प्रक्रिया कोलोकतांत्रिक बनाकर, डेटा गुणवत्ता को संवर्धित करके, घरेलू एआई विशेषज्ञता कोपोषित करके, शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करके उद्योग साझेदारी को बढ़ावा देकर, स्टार्टअप उद्यमों को सहायता देकर, सामाजिक रूप से प्रभावकारी एआई परियोजनाओं को बढ़ावा और नैतिक प्रथाओं पर जोर देते हुए, भारत के एआई परिदृश्य के भीतर जिम्मेदारीपूर्ण और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

इंडियाएआई इनोवेशन स्तंभ के तहत इंडियाएआई ने 30 जनवरी, 2025 को **भारतीय डेटासेट पर प्रशिक्षित अत्याधुनिक मूलभूत एआई मॉडल के निर्माण में** सहयोग करने के लिए स्टार्टअपों, शोधकर्ताओं और उद्यमियों से प्रस्ताव आमंत्रित करते हुए **प्रस्तावों के लिए एक कॉल लॉन्च किया था**। इस पहल का उद्देश्य स्वदेशी एआई मॉडल स्थापित करना है जो भारतीय संदर्भ में अद्वितीय चुनौतियों के समाधानों और अवसरों के संदर्भ में वैश्विक मानकों के अनुरूप हों।

15 मार्च तक, इंडियाएआई मिशन को भारत के फाउंडेशन मॉडल के निर्माण के उद्देश्य से कुल **187 प्रस्ताव** प्राप्त हुए हैं, जिसमें स्थापित स्टार्टअप और शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों की नई टीमों दोनों का योगदान है। फंडिंग सपोर्ट के साथ, इन प्रस्तावों को प्रस्तुत करने वाली टीमों द्वारा **जीपीयू की एक विस्तृत श्रृंखला का अनुरोध किया गया** है।

****